उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में माननीय राज्यपाल महोदय का संबोधन

(25 फरवरी 2023)

जय हिन्द!

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित **विशेष शिक्षा में रिसर्च मैथोडोलॉजी** की इस पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में आकर मुझे अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है।

मैं इस कार्यशाला के आयोजन के लिए यहां उपस्थित **समाज कल्याण मंत्री** जी, **शिक्षा मंत्री** जी, विश्वविद्यालय के **कुलपति प्रो0** ओम प्रकाश सिंह नेगी जी, फैकल्टी मैम्बर्स, प्रोफेसर गण, स्टाफ और सभी प्रतिभागियों को **हार्दिक बधाई देता हूँ।**

मुझे बहुत प्रसन्नता है कि विश्वविद्यालय दिव्यांग जनों के प्रति अपनी जिम्मेदारी को बहुत ही जिम्मेदारी के साथ निभा रहा है।

दिव्यांग जनों के लिए विश्वविद्यालय की ओर से अनेक पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं और इन पाठ्यक्रमों का लाभ पूरे देश के दिव्यांग जनों की भलाई के लिए हो रहा है।

मुझे इस बात की भी बहुत खुशी है कि यह विश्वविद्यालय दिव्यांग जनों के प्रति संवेदनशील है और दिव्यांग जनों के पुनर्वास के लिए ऐसे अनेक कार्य कर रहा है।

'पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला' भी उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

भारत में लगभग **ढाई करोड़ दिव्यांग जन** जिनमें **डेढ करोड़ पुरुष** और **सवा करोड़ महिला दिव्यांग** जन हैं इनमें भी **69 प्रतिशत दिव्यांग जन ग्रामीण क्षेत्रों में** निवास कर रहे हैं, जिन्हें सहायता पहुंचाना हमारा कर्तव्य है।

युनेस्को सहित अनेक ऐसी रिपोर्टस् हैं जिनमें भारत में दिव्यांग जनों की स्थिति के बारे में चिंता जताई गयी है।

हमें दिव्यांगता के प्रति एक सकारात्मक समझ और वातावरण विकसति करना होगा।

दिव्यांग जनो की **सुरक्षा,** उनका **पोषण,** उनकी **शिक्षा–दीक्षा,** जीवन को सक्षम और स्वावलंबी बनाने के लिए हर स्तर पर प्रयत्न करने होंगे।

दिव्यांगता कोई अभिषाप नहीं है, गौर से देखेंगे तो पाएंगे कि हर एक व्यक्ति में एक हुनर है, किसी न किसी में कोई न कोई प्रतिभा अवश्य ही होती है, उस प्रतिभा को, उस दिव्यता को, उनके हर एक गुणों को पहचान कर उन्हें समाज की मुख्य धारा में लाना होगा, **उन्हें मान–सम्मान, प्यार, दुलार और आशीर्वाद देना होगा।**

कुछ सीमाओं के कारण दिव्यांग जनों को सामान्य लोगों की अपेक्षा कुछ विशेष चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

दिव्यांग जनों को उनकी कठिन स्थितियों से उबारना ही हमारे इस शोध अनुसंधान और रिसर्च का उद्देश्य होना चाहिए।

हम सब की यह जिम्मेदारी है कि दिव्यांग जन भी हमारी ही तरह **स्वावलंबी बनें, सशक्त बनें, सुदृढ़ बनें,** उनकी प्रतिभा समाज के सामने उभर कर आये, उन्हें प्लेटफॉर्म मिलें, उनकी कला को, उनकी दिव्यता को, स्थान और सम्मान मिलें।

दिव्यांग जनों की सुरक्षा और संरक्षण संबंधी चिंताओं को दूर करने की आवश्यकता है।

दुनिया जब हमको देखती है तो हमारी कुछ तस्वीरें जाती हैं, इस लिए मैं यहां उपस्थित **समाज कल्याण मंत्री** जी और **शिक्षा मंत्री जी सहित** आप सभी अनुसंधान करने वाले विद्वान भी यहां उपस्थित हैं!

सोचें आप अपने स्तर पर कैसे दिव्यांग जनों के जीवन में सुगमता और सरलता ला सकते हैं।

सरकार द्वारा तैयार की जा रही योजनाएं लाभार्थियों तक पहुंचें।

दिव्यांग जन किसी न किसी स्तर पर दूसरे के सहारे में रहता है, क्या उसे वो सहारा मिल रहा है, **आपने उसके लिए जो हिस्सा तय किया है वह उस तक पहुंच रहा है?**

आज तो हम डिजिटल इंडिया में रह रहे हैं, वित्तीय समावेशन हमारे कुशल और पारदर्शी प्रशासन की एक नयी पहचान बन रही है, यह दिव्यांग जनों के लिए भी एक वरदान बननी चाहिए।

समाज में पीछे रह गये हमारे लोगों को हम वित्तीय समावेशन का लाभ पहुंचाते हैं तो हमारी सच्ची सफलता होगी।

हमारे प्रधान मंत्री जी ने दिव्यांग जनों के लिए बहुत सी महत्वपूर्ण पहलें की हैं।

दिव्यांग जनों के अधिकारों को सुरक्षित रखने के लिए वर्ष 2016 में 'दिव्यांग जन अधिकार कानून बना कर दिव्यांग जनों के लिए समान संरक्षण और सुरक्षा की गारंटी दी है।

गरीबी, कुपोषण, अपराधिक गतिविधियां दिव्यांगता के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार हैं।

अमृत काल में **'विकसित भारत'** के हमारे लक्ष्यों के साथ आगे बढ़ रहा है, **देश को गरीबी, कुपोषण आपराधिक वारदातों से बाहर निकाल कर दिव्यांगता के बड़े कारकों को समाप्त करते हुए दिव्यांग जनों की संख्या में बड़ा बदलाव लाना है।**

हमारी जिम्मेदारी है कि हम दिव्यांग जनों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराएं, दिव्यांग जनों को सामाजिक मान्यता और सम्मान दिलाने के लिए प्रयास करें।

मुझे आशा है कि दिव्यांग जनों के सशक्तिकरण व पुनर्वास हेतु नवीन शोध, अनुसंधान के द्वारा उनको समाज की मुख्यधारा से जोड़कर भारत को विकसित व समावेशी देश बनाएं, जो पूरे विश्व के लिये एक आदर्श स्थापित करें।

आप सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए राष्ट्रीय कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूँ।

जय हिन्द!